ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
उदयपुर, शनिवार 12 सितम्बर 2026
वर्ष 3 अंक 139

गणेशोत्सव में 10 दिन की शराबबंदी पर हाईकोर्ट की फटकार, पुणे प्रशासन ने घटाकर 2 दिन किया ड्राई डे

24 न्यूज अपडेट

पुणे। गणेशोत्सव के दौरान पुणे में 10 दिनों तक शराब की बिक्री और सेवन पर रोक लगाने के प्रशासनिक फैसले को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कड़ी टिप्पणी की। अदालत ने सवाल उठाया कि आखिर पूरे 10 दिनों तक शराबबंदी लागू करने का क्या तर्क है और केवल पुणे को इस तरह के प्रतिबंध के लिए क्यों चुना गया। हाईकोर्ट की आपत्ति के बाद प्रशासन ने अपने आदेश में बदलाव करते हुए 10 दिन की शराबबंदी को घटाकर अब केवल 2 दिन कर दिया है। चीफ जस्टिस एम.सी. त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की पीठ ने सुनवाई के दौरान पुणे में इतने लंबे समय तक शराबबंदी लागू करने के औचित्य पर सवाल उठाया। अदालत ने कहा कि बिना किसी तर्कसंगत आधार के व्यापक प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। पीठ ने यह भी टिप्पणी की कि केवल पुणे के निवासियों को इस तरह के प्रतिबंध के दायरे में रखना उचित नहीं है और ऐसी प्रथा की निंदा की जानी चाहिए। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी कहा कि केवल शराब का सेवन करने के आधार पर यह मान लेना उचित नहीं है कि कोई व्यक्ति कानून-व्यवस्था के लिए खतरा पैदा करेगा। यदि कोई व्यक्ति शराब पीकर या बिना शराब पिए भी सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ता है तो उसके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जा सकती है। अदालत ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जरूरत को स्वीकार करते हुए यह स्पष्ट किया कि इसके नाम पर सभी नागरिकों पर लंबी अवधि का व्यापक प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। हाईकोर्ट की फटकार के बाद पुणे प्रशासन ने शराबबंदी की अवधि में कटौती कर दी। संशोधित व्यवस्था के तहत अब 14 सितंबर को शाम 4 बजे तक तथा 25 सितंबर को पूरे दिन शराब की बिक्री और सेवन पर रोक रहेगी। यानी जिस 10 दिन के व्यापक प्रतिबंध को लेकर विवाद खड़ा हुआ था, उसे घटाकर दो निर्धारित अवधियों तक सीमित कर दिया गया है। अदालत के समक्ष यह सवाल भी उठा कि शराबबंदी पूरे महाराष्ट्र में लागू करने के बजाय केवल पुणे जिले के लिए क्यों निर्धारित की गई। पीठ ने इस तरह के क्षेत्र विशेष के प्रतिबंध के पीछे सरकार के तर्क पर सवाल करते हुए कहा कि किसी एक शहर या जिले के लोगों के लिए अलग व्यवस्था लागू करने से प्रशासन आखिर क्या संदेश देना चाहता है। कानून-व्यवस्था के लिहाज से प्रशासन विशेष अवसरों और त्योहारों के दौरान ड्राई डे घोषित कर सकता है, लेकिन ऐसा निर्णय तर्कसंगत और परिस्थितियों के आधार पर होना चाहिए। प्रशासनिक आदेश यदि नागरिकों या कारोबारियों के अधिकारों को प्रभावित करता है तो उसे न्यायिक समीक्षा के लिए चुनौती भी दी जा सकती है। इस मामले में भी अदालत के हस्तक्षेप के बाद प्रशासन को अपने मूल आदेश में बदलाव करना पड़ा। लंबे समय तक शराब की बिक्री और सेवन पर पूर्ण रोक को लेकर स्वास्थ्य संबंधी पहलू भी महत्वपूर्ण है। शराब के आदी लोगों के लिए अचानक कई दिनों तक शराब उपलब्ध नहीं होने से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां पैदा हो सकती हैं और ऐसे लोगों को चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है। इसलिए प्रशासन को कानून-व्यवस्था के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य के पहलू को भी ध्यान में रखने की जरूरत है। वहीं, लंबे ड्राई डे का असर सरकारी राजस्व और स्थानीय कारोबार पर भी पड़ सकता है। शराब की बिक्री से मिलने वाले उत्पाद शुल्क और अन्य कर राजस्व में कमी आती है। इसके अलावा शराब की दुकानों, बार, होटल, रेस्तरां और इससे जुड़ी सप्लाई चेन पर भी सीधा असर पड़ता है। लंबे प्रतिबंध से कारोबार और उससे जुड़े रोजगार प्रभावित होने की आशंका रहती है।

SET 2026 कल 429 केंद्रों पर, 1.77 लाख अभ्यर्थी देंगे परीक्षा; 10 बजे बाद प्रवेश बंद

24 न्यूज अपडेट

कोटा, 12 सितंबर। राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा (SET 2026) रविवार, 13 सितंबर को प्रदेश के 7 मुख्यालयों में बनाए गए 429 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक पेन-पेपर मोड में ओएमआर शीट के माध्यम से होगी। परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को केंद्र पर सुबह 10 बजे तक ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके बाद परीक्षा केंद्रों के गेट बंद कर दिए जाएंगे। SET 2026 के लिए कुल 1,77,901 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। कोटा विश्वविद्यालय परीक्षा का आयोजन यूजीसी नेट के नवीनतम मानकों के अनुरूप करेगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर बी.पी. सारस्वत के अनुसार परीक्षा के संचालन में निर्धारित मानकों और सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया है। परीक्षा को लेकर कोटा विश्वविद्यालय परिसर में केंद्रीय

कंट्रोल रूम बनाया गया है। प्रश्नपत्रों को कड़ी सुरक्षा के बीच परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जा रहा है और उनकी गोपनीयता बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा और परिवहन व्यवस्था में पुलिस का सहयोग भी लिया जा रहा है। SET 2026 के समन्वयक प्रो. घनश्याम शर्मा ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे अपने एडमिट कार्ड पर अंकित परीक्षा केंद्र की जानकारी एक दिन पहले जाकर सुनिश्चित कर लें, ताकि परीक्षा के दिन केंद्र तलाशने या पहुंचने में किसी तरह की परेशानी न हो। परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को कलर्ड प्रिंट एडमिट कार्ड के साथ ओरिजिनल फोटो आईडी लेकर जाना होगा। इसके अलावा आवेदन में अपलोड किया गया फोटो या पासपोर्ट साइज फोटो भी निर्धारित निर्देशों के अनुसार साथ रखना होगा। परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, कैलकुलेटर सहित किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट ले जाने की अनुमति नहीं होगी। अभ्यर्थियों को हल्के रंग के हाफ स्लीव कपड़े पहनकर आने और कम हील वाली चप्पल या सैंडल पहनने के निर्देश दिए गए हैं। धार्मिक, पारंपरिक या सांस्कृतिक पोशाक में आने वाले अभ्यर्थियों को विशेष जांच के कारण परीक्षा केंद्र पर अन्य अभ्यर्थियों की तुलना में पहले पहुंचने की सलाह दी गई है। ओएमआर आधारित परीक्षा में अभ्यर्थी अपने साथ केवल काले या नीले बॉल पेन ले जा सकेंगे। ओएमआर शीट पर व्हाइटनर या ब्लेड का इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रश्नपत्र सुबह 10:55 बजे से वितरित किए जाएंगे। प्रश्नपत्र मिलते ही अभ्यर्थियों को उसकी पूरी तरह जांच करनी होगी। किसी तरह की त्रुटि मिलने पर तत्काल कक्ष निरीक्षक को इसकी सूचना देनी होगी। अभ्यर्थियों को ओएमआर शीट पर रोल नंबर, विषय और प्रश्नपत्र कोड की जानकारी का प्रश्नपत्र से मिलान करने के बाद ही उत्तर भरने की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। परीक्षा के दौरान निर्धारित नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। परीक्षा प्रशासन ने अभ्यर्थियों से समय से पहले केंद्र पहुंचने और आवश्यक दस्तावेज व सामग्री पहले से तैयार रखने की अपील की है।

बेंगलुरु जेल में पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के मोबाइल से पोर्न वीडियो मिलने की पुष्टि

24 न्यूज अपडेट

बेंगलुरु। परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पास से बरामद मोबाइल फोन और पेन ड्राइव की फोरेंसिक जांच में आपत्तिजनक सामग्री मिलने की पुष्टि हुई है। जांच अधिकारियों के अनुसार, मोबाइल में कई पोर्न वीडियो और पेन ड्राइव में वेब सीरीज की फाइलें मिली हैं। क्राइम ब्रांच ने 11 अगस्त को जेल में छापा मारकर रेवन्ना को मोबाइल इस्तेमाल करते पकड़ा था। इस दौरान मोबाइल, चार्जर, पेन ड्राइव और नोटबुक जब्त की गई। जेल नियमों के मुताबिक कैदी के पास मोबाइल या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मिलना गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों में कैदी की सुविधाएं कम की जा सकती हैं, उसे अलग सेल में रखा जा सकता है और अतिरिक्त सजा भी दी जा सकती है।

जेल में मोबाइल की ब्लैक मार्केट

जांच में सामने आया कि बाहर 10 हजार रुपए का फोन जेल के अंदर 75 हजार से 2 लाख रुपए तक में बेचा जा रहा था। पुलिस को शक है कि जेल स्टाफ की मिलीभगत से मोबाइल और सिम कार्ड कैदियों तक पहुंचाए गए। पिछले आठ महीनों में इस जेल से 300 से ज्यादा मोबाइल बरामद किए जा चुके हैं। जेल में लगा जैमर सिस्टम करीब 15 साल पुराना 2G नेटवर्क पर आधारित है, जबकि बाहर 5G नेटवर्क चल रहा है। इसी तकनीकी खामी का फायदा उठाकर कैदी मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे थे। जांच में यह भी पता चला कि ज्यादातर सिम कार्ड आंध्र प्रदेश में एक्टिवेट किए गए थे।

9 गिरफ्तार, वार्डर पर आरोप

जेल में मोबाइल और सिम पहुंचाने के तीन मामलों में पुलिस ने 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें जेल वार्डर श्रीनिवास नाइक पर 12 मोबाइल फोन अवैध रूप से अंदर पहुंचाने का आरोप है, जबकि चीफ वार्डन विजय कुमार की भूमिका भी जांच में सामने आई है। रेवन्ना, JDS विधायक एचडी रेवन्ना के बेटे और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। वह नौकरानी से बलात्कार के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। अप्रैल 2024 में उनके परिवार के फार्महाउस में काम करने वाली महिला ने कई बार यौन शोषण का आरोप लगाया था। इसके बाद प्रज्वल के खिलाफ मामला दर्ज हुआ और 31 मई 2024 को जर्मनी से लौटते समय उन्हें बेंगलुरु एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया गया।

वीडियो क्लिप और राजनीतिक असर

पिछले साल प्रज्वल के सोशल मीडिया पर 2,000 से ज्यादा अश्लील वीडियो क्लिप सामने आए थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में हासन सीट से उम्मीदवार रहे प्रज्वल आरोपों के चलते चुनाव हार गए और JDS ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया।

चुनाव लड़ने नौकरी छोड़ी, हार गए तो वापस लौटे, हाईकोर्ट ने कहा-वापसी का रास्ता बंद, नौकरी गई

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सरकारी कर्मचारियों के इस्तीफे और चुनाव लड़ने से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि कोई सरकारी कर्मचारी या अधिकारी अपनी इच्छा से नौकरी से इस्तीफा देकर चुनाव लड़ता है और बाद में चुनाव हार जाता है, तो केवल चुनाव में हार के आधार पर उसे इस्तीफा वापस लेकर सरकारी सेवा में पुनर्बहाली का अधिकार नहीं मिल जाता। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने नीरज बिश्नोई की याचिका खारिज करते हुए सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (CAT), जयपुर के आदेश को बरकरार रखा। अदालत ने कहा कि चुनाव हारना अपने आप में ऐसी बाध्यकारी परिस्थिति नहीं है, जिसे इस्तीफा वापस लेने के नियमों के तहत परिस्थितियों में महत्वपूर्ण बदलाव माना जा सके।

विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए छोड़ी थी नौकरी

मामले के अनुसार नीरज बिश्नोई नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे में सीनियर ऑडिटर के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने राजस्थान विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 10 अक्टूबर 2023 को अपनी नौकरी से इस्तीफा दिया था। विभाग ने उनका इस्तीफा 1 नवंबर 2023 से स्वीकार कर लिया। इसके बाद बिश्नोई ने चूरू जिले की रतनगढ़ विधानसभा सीट से BSP के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। चुनाव परिणाम के बाद उन्होंने 1 जनवरी 2024 को अपना इस्तीफा वापस लेने और सरकारी सेवा में दोबारा बहाल किए जाने के लिए आवेदन किया। विभाग ने 29 जनवरी 2024 को उनका अनुरोध अस्वीकार कर दिया। इसके बाद भी उनकी मांग स्वीकार नहीं हुई और 22 फरवरी 2024 को इसे खारिज कर दिया गया। मामला बाद में CAT और फिर हाईकोर्ट तक पहुंचा।

पेंशन और रिटायरमेंट लाभ का दिया तर्क

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में दलील दी गई कि उन्होंने इस्तीफा वापस लेने के लिए नियमों में निर्धारित 90 दिन की अवधि के भीतर आवेदन कर दिया था। उनका कहना था कि इस्तीफा देते समय उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि इसके कारण पेंशन और अन्य रिटायरमेंट बेनिफिट पर असर पड़ेगा। चुनाव हारने के बाद उन्हें इन लाभों से संबंधित स्थिति की जानकारी हुई। इसी आधार पर उन्होंने इसे परिस्थितियों में महत्वपूर्ण बदलाव मानते हुए इस्तीफा वापस लेने की अनुमति देने की मांग की।

विभाग ने कहा- सोच-समझकर लिया था फैसला

रेलवे की ओर से याचिका का विरोध करते हुए कहा गया कि बिश्नोई ने चुनाव लड़ने के उद्देश्य से पूरी तरह सोच-समझकर सरकारी नौकरी छोड़ी थी। उन्होंने जिस उद्देश्य से इस्तीफा दिया था, उस पर अमल करते हुए विधानसभा चुनाव भी लड़ा। ऐसे में चुनाव में हार के बाद अपने निर्णय से पीछे हटकर सरकारी सेवा में वापस आने का दावा नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने क्या कहा

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि चुनाव हारने के बाद पेंशन और रिटायरमेंट बेनिफिट नहीं मिलने की जानकारी होना ऐसी बाध्यकारी वजह नहीं है, जिसके आधार पर इस्तीफा वापस लेने की अनुमति दी जा सके। अदालत ने माना कि याचिकाकर्ता ने अपनी इच्छा से चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा दिया था और इस्तीफा देने के पीछे जो उद्देश्य था, उसे पूरा भी किया। केवल चुनाव परिणाम उसके पक्ष में नहीं आने से इस्तीफा वापस लेने का आधार नहीं बन सकता।

सरकारी कर्मचारियों के लिए राजनीतिक गतिविधियों पर भी नियम

हाईकोर्ट ने संबंधित सेवा नियमों का भी उल्लेख किया। अदालत के अनुसार Central Civil Services (Pension) Rules, 2021 के तहत इस्तीफा वापस लेने के लिए निर्धारित परिस्थितियों को पूरा करना जरूरी है। इस्तीफा किसी बाध्यकारी कारण से दिया गया हो और बाद में उस कारण से जुड़ी परिस्थितियों में महत्वपूर्ण बदलाव हुआ हो, तभी नियमों के तहत इस्तीफा वापस लेने का प्रश्न उठता है। इसके साथ ही CCS (Conduct) Rules, 1964 के तहत सरकारी कर्मचारियों से राजनीतिक निष्पक्षता बनाए रखने की अपेक्षा की गई है। नियम सरकारी कर्मचारियों के राजनीतिक दल से जुड़ने और चुनाव में भाग लेने पर भी प्रतिबंध लगाते हैं।

संपादकीय : संभावनाओं के मोर्चे

देश की राजधानी में आयोजित किया जा रहा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग और वैश्विक व्यवस्था में विकासशील देशों की भूमिका को मजबूत करने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर है। ऐसे समय में जब दुनिया आर्थिक अनिश्चितता, युद्ध, व्यापारिक तनाव और बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के दौर से गुजर रही है, तब ब्रिक्स की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। भारत के लिए यह मंच अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त रूप देने की दृष्टि से भी अहम है। सम्मेलन से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शुक्रवार को हुई बैठक में भी भारत की प्राथमिकताओं और प्रतिबद्धताओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से वर्ष 2030 तक वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर सौ अरब डालर तक पहुंचाने तथा रक्षा, ऊर्जा और दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। यह इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत को व्यापारिक सहयोग के मोर्चे पर अंतरराष्ट्रीय संबंधों को विस्तार देने और नए बाजार तलाशने की जरूरत है। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से शुरू हुए ब्रिक्स समूह का विस्तार अब कई अन्य देशों तक हो चुका है। ब्रिक्स भारत के लिए केवल आर्थिक एवं व्यापारिक सहयोग का मंच नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन की दृष्टि से विकासशील देशों की आवाज बुलंद करने का माध्यम भी है। भारत की नीति दुनिया की आर्थिक व्यवस्था को अधि न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने की रही है, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में विकासशील देशों को उनकी आर्थिक क्षमता और जनसंख्या के अनुरूप अधिक प्रतिनिधित्व मिलने की वकालत की जाती रही है। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने, भुगतान प्रणालियों को मजबूत करने और आर्थिक सहयोग को आसान बनाने जैसे विषय भी भारत के लिए महत्त्वपूर्ण हैं और इन मुद्दों पर शिखर सम्मेलन में भी प्रमुखता से चर्चा होने की उम्मीद है। इसके अलावा, भारत हमेशा से वैश्विक शांति का पक्षधर रहा है और प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन के साथ बैठक में दोहरावा कि किसी भी समस्या का समाधान केवल युद्ध नहीं हो सकता है। साथ ही कहा कि रूस- यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने के शांति प्रयासों में भारत हर संभव मदद के लिए तैयार है। भारत ऐसे समय में ब्रिक्स को अधिक प्रभावी मंच के रूप में आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक परिस्थितियां लगातार बदल रही हैं। रूस - यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में संघर्ष, खासकर होर्मुज जलमार्ग की नाकेबंदी तथा अमेरिका की व्यापार शुल्क नीतियों की वजह से विश्व की अर्थव्यवस्था प्रतिकूल प्रभावों का सामना कर रही है। ऐसी स्थिति में भारत के लिए चुनौती ब्रिक्स सम्मेलन में संघर्ष से जुड़े मसले पर एकराय बनाने की भी है क्योंकि समूह में शामिल ईरान स्पष्ट रूप से अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई की निंदा करने पर जोर दे रहा है, जबकि ए समुद्री मार्गों में किसी तरह की बाधाओं के खिलाफ है। इसके अलावा शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा को भी कई मायनों में अहम माना जा रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बैठक भी प्रस्तावित है। उम्मीद है कि यह द्विपक्षीय बातचीत भारत-चीन संबंधों में सुधार की संभावना पर जमी बर्फ को पिघलाने का काम करेगी।

दुराग्रह का दायरा

इस दौर में 'एक विश्व, एक परिवार' या 'वसुधैव कुटुंबकम्' जैसे नारों के साथ दुनिया के आगे का रास्ता तय करने की बातें की जा रही हैं, उसमें अगर किसी खास समूह या वर्ग को लक्षित करके उसे हाशिये से बाहर करने का संदेश प्रचारित किया जाए, तो इससे ज्यादा अफसोसनाक और क्या हो सकता है। अमेरिका में गृह सुरक्षा विभाग ने बिना लाइसेंस वाले व्यावसायिक चालकों के खिलाफ अपने अभियान को बढ़ावा देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई छवियों का इस्तेमाल किया, जिसमें सूत्रवाक्य यह दिया गया था कि 'दफा हो जाओ मिस्टर सिंह, तुम्हें वाहन चलाना नहीं आता..!' निश्चित रूप से नियमों को ताक पर रखने वाले चालकों से सड़क पर दूसरों के जीवन के लिए भी खतरा ही होता है। इसलिए इस तरह सड़क पर जोखिम बनने वाले चालकों के खिलाफ कार्रवाई पर शायद ही किसी को आपत्ति हो, लेकिन इस बहाने से जिस तरह प्रचार में एक खास समुदाय को चिह्नित करने वाले वाक्यांश का इस्तेमाल किया गया, उसने सड़क को सुरक्षित बनाने के समूचे विज्ञापन को ही सवालों के घेरे में ला खड़ा किया। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जिस अमेरिका में श्वेत वर्चस्व, नाजीवाद और फासीवाद जैसे नस्ली विचारों का व्यापक विरोध होता रहा है, वहां किसी पोस्टर में दुराग्रहों का ऐसा प्रदर्शन खुद सरकार के मातहत एक विभाग के जरिए हो स्वाभाविक ही अमेरिका में रहने वाले सिख समुदाय सहित अन्य लोगों ने भी इस पर तीखी आपत्ति जाहिर की और पोस्टर को 'नस्लवादी' और 'भारत विरोधी' बताया। हो सकता है कि अमेरिका में कुछ ऐसे सड़क हादसे हुए हों, जिनमें चालक की पहचान वहां अवैध रूप से रहने वाले भारतीय के रूप में पाई गई हो, लेकिन इसका मतलब यह नहीं हो जाता कि इस बहाने 'सिंह' उपनाम से पहचाने जाने वाले समूचे समुदाय को निशाना बनाया जाए। ऐसी धारणा सिर्फ नस्लीय पूर्वाग्रहों के कारण ही बन सकती है। इस पर व्यापक आपत्ति उभरने के बाद भले ही पोस्टर को वापस ले लिया गया, लेकिन सवाल है कि आधुनिक मूल्यों का वाहक होने का दावा करने वाले अमेरिका में आज भी इस तरह की संकीर्ण नस्ली दृष्टि कैसे फल-फूल रही है कि वह किसी सरकारी महकमे के विज्ञापन में भी अभिव्यक्त हो जाती है!

डीएमएफटी की सड़क या गिट्टी का रास्ता? 2 साल बाद भी अधूरा निर्माण, ग्रामीण पूछ रहे- आखिर कब पूरी होगी सड़क

24 न्यूज अपडेट

सलूंबर। विकास कार्यों के नाम पर सरकारी योजनाओं से स्वीकृत परियोजनाओं की जमीनी हकीकत कई बार कागजों से बिल्कुल अलग नजर आती है। जयसमंद पंचायत समिति क्षेत्र की नेवा तलाई पंचायत में डीएमएफटी से स्वीकृत सड़क निर्माण इसका ताजा उदाहरण है। वर्ष 2024 में स्वीकृत हुई इस सड़क का काम निर्धारित अवधि में पूरा होना था, लेकिन सितंबर 2026 तक भी सड़क ग्रामीणों को डामर की सुविधा नहीं दे पाई है। मौके पर सड़क के नाम पर बड़ी मात्रा में गिट्टी बिछी हुई है और निर्माण अधूरा पड़ा है।

7 सितंबर 2024 को शुरू हुआ था काम

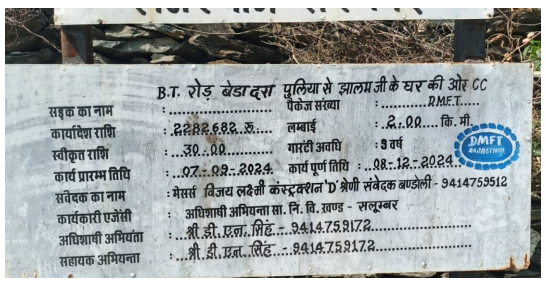

नेवा तलाई पंचायत के बेड़ा दरा क्षेत्र में सड़क निर्माण के लिए डीएमएफटी के तहत काम स्वीकृत किया गया था। पीडब्ल्यूडी ने टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के बाद निर्माण कार्य शुरू करवाया। वर्क ऑर्डर के अनुसार सड़क का काम 7 सितंबर 2024 से शुरू होकर 8 दिसंबर 2024 तक पूरा होना था। निर्धारित समयसीमा खत्म हुए लंबा समय बीत चुका है, लेकिन सड़क आज भी पूरी नहीं हो सकी। सवाल यह है कि जिस काम को करीब 3 महीने में पूरा होना था, वह लगभग 2 साल बाद भी अधूरा क्यों है?

सड़क पर डामर नहीं, गिट्टी से बढ़ी परेशानी

मौके के हालात ग्रामीणों की परेशानी बयां कर रहे हैं। सड़क पर बिछी गिट्टी के कारण दोपहिया वाहन चलाना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि गिट्टी पर वाहन फिसलने का खतरा लगातार बना रहता है और कई बार हादसे भी हो चुके हैं। ग्रामीण वीडियो में हाथ में गिट्टी उठाकर सड़क की स्थिति दिखाते हुए अपनी परेशानी बता रहे हैं। उनका कहना है कि आम आवाजाही के साथ सबसे बड़ी परेशानी उस समय होती है जब किसी बीमार या घायल व्यक्ति को इस रास्ते से अस्पताल ले जाना पड़ता है।

कलेक्टर और अधिकारियों से गुहार, फिर भी नहीं बनी सड़क

ग्रामीणों के मुताबिक सड़क निर्माण पूरा करवाने के लिए कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से अधिकारियों से संपर्क किया गया। जिला कलेक्टर और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को ज्ञापन भी दिए गए, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हुआ। सरपंच किशन लाल मीणा का आरोप है कि सड़क को लेकर अधिकारियों से लगातार संपर्क किया जा रहा है, लेकिन काम पूरा करवाने की दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई।

डीएमएफटी के काम की मॉनिटरिंग पर सवाल

नेवा तलाई पंचायत जावर माइंस से प्रभावित क्षेत्र में आती है। ऐसे क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट यानी डीएमएफटी की राशि का उपयोग किया जाता है। ऐसे में इस सड़क का अधूरा निर्माण केवल ग्रामीणों की परेशानी तक सीमित मामला नहीं है, बल्कि सरकारी विकास कार्यों की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। जब सड़क के लिए राशि स्वीकृत हुई, पीडब्ल्यूडी ने टेंडर किया, वर्क ऑर्डर जारी हुआ और काम भी शुरू हो गया, तो फिर तय समयसीमा में निर्माण पूरा क्यों नहीं हुआ?

अब जवाब मांग रहे हैं ये सवाल

सड़क निर्माण की तय समयसीमा के बावजूद काम पूरा क्यों नहीं हुआ?

करीब 2 साल की देरी के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने नियमित रूप से निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग की? क्या अधिकारियों ने मौके पर जाकर सड़क की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया? निर्माण में देरी करने वाले ठेकेदार के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई? डीएमएफटी से स्वीकृत इस काम की गुणवत्ता और प्रगति की जांच किस स्तर पर हुई? सड़क अधूरी रहने के बावजूद अब तक जिम्मेदारी तय क्यों नहीं हुई? नेवा तलाई की यह सड़क फिलहाल ग्रामीणों के लिए सुविधा का रास्ता बनने के बजाय गिट्टी और परेशानी का रास्ता बनी हुई है। डीएमएफटी जैसी विकास निधि का उद्देश्य प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं मजबूत करना है, ऐसे में ग्रामीणों का सवाल सीधा है जब सड़क की स्वीकृति और टेंडर समय पर हो गया, तो सड़क आखिर अब तक पूरी क्यों नहीं हुई?

लंबे इतजार के बाद लेकसिटी में बारिश, बादल गरजे, मन हर्षे...

24 न्यूज अपडेट

लेकसिटी उदयपुर में लंबे इंतजार के बाद शनिवार को मौसम ने करवट ली। दोपहर करीब साढ़े 3 बजे के बाद बारिश का दौर शुरू हुआ। आसमान में बादल छाए रहे और बिजलियों की कड़कड़ाहट के बीच रिमझिम बारिश होती रही। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे शहरवासियों को इस बदले मौसम से राहत मिली। दोपहर तक उमस और गर्मी का असर बना हुआ था, लेकिन साढ़े 3 बजे के बाद अचानक मौसम का मिजाज बदला। बादलों की आवाजाही के बीच पहले बूंदाबांदी शुरू हुई और इसके बाद रिमझिम बारिश का दौर चलता रहा। बिजली की तेज कड़कड़ाहट ने मौसम में बदलाव का अहसास और बढ़ा दिया। उदयपुर में बारिश का यह दौर ऐसे समय आया है, जब मौसम विभाग ने दक्षिणी राजस्थान में अगले कुछ दिनों तक मानसूनी गतिविधियां बढ़ने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अनुसार 12 से 15 सितंबर के बीच उदयपुर संभाग और आसपास के जिलों में कहीं-कहीं मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।

दक्षिणी राजस्थान में अगले 3-4 दिन बारिश का असर

दक्षिणी छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्र के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। वहीं मानसून ट्रफ लाइन जैसलमेर, कोटा और कम दबाव वाले क्षेत्र से होकर गुजर रही है। इन मौसमी सिस्टम के प्रभाव से दक्षिणी राजस्थान में बारिश की गतिविधियां बढ़ने का अनुमान है। 12 सितंबर को उदयपुर और कोटा संभाग के कुछ हिस्सों में मध्यम से कहीं-कहीं तेज बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं जयपुर, भरतपुर, अजमेर और जोधपुर संभाग में भी कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

15 सितंबर तक उदयपुर संभाग में बारिश के आसार

मौसम विभाग के मुताबिक 12 से 15 सितंबर तक उदयपुर संभाग और आसपास के जिलों में कहीं-कहीं मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। यानी शनिवार को शुरू हुआ बारिश का दौर आने वाले दिनों में भी जारी रहने की संभावना है। इधर, पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर संभाग में 13 से 16 सितंबर तक कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है, जबकि बीकानेर संभाग में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के आगामी दिनों में दक्षिणी राजस्थान में बारिश बढ़ने के अनुमान से अच्छी बारिश की उम्मीद बनी हुई है।

पॉक्सो एक्ट में फरार 2000 रुपये का इनामी आरोपी बेंगलुरु से गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। वल्लभनगर थाना पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे 2000 रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था और पहचान छिपाकर बेंगलुरु चला गया था। तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने तलाश करते हुए उसे 11 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुकेश पुत्र भीमराज, उम्र 34 वर्ष, निवासी राणाकुई, थाना वल्लभनगर, जिला उदयपुर के रूप में हुई है। पॉक्सो एक्ट के प्रकरण में वांछित होने के बाद आरोपी पुलिस की पकड़ से बचने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। पुलिस को उसके बेंगलुरु में छिपे होने की जानकारी मिली, जिसके बाद टीम ने तकनीकी संसाधनों और मुखबिर की मदद से उसकी तलाश तेज की। पुलिस टीम ने गहन पड़ताल के बाद आरोपी को बेंगलुरु से दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से मामले से जुड़े घटनाक्रम और उसके फरार रहने के दौरान के ठिकानों को लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण में आगे की जांच जारी है। कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक उदयपुर डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खैरवाड़ा रजत बिश्नोई और वृत्ताधिकारी वल्लभनगर श्रवणदास संत के सुपरविजन में वल्लभनगर थानाधिकारी पूनाराम गुर्जर के नेतृत्व में गठित टीम ने की। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी पूनाराम गुर्जर, कांस्टेबल राजेन्द्र और कांस्टेबल कुलदीप शामिल रहे।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

लालसोट स्टेशन पर मॉक ड्रिल, रेल हादसे की स्थिति में राहत-बचाव तैयारियों की परखी क्षमता

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। संभावित रेल दुर्घटना के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों में त्वरित प्रतिक्रिया और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की स्थिति परखने के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल ने शनिवार, 12 सितंबर 2026 को दौसा-गंगापुर सिटी रेलखंड के लालसोट रेलवे स्टेशन पर संयुक्त मॉक ड्रिल आयोजित की। रेलवे के साथ NDRF, SDRF, सिविल डिफेंस, होम गार्ड, फायर विभाग और जिला प्रशासन की टीमों ने हिस्सा लेकर आपदा की स्थिति में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अभ्यास किया। मॉक ड्रिल के लिए लालसोट रेलवे स्टेशन यार्ड में किलोमीटर संख्या 44/ 3-4 पर गाड़ी संख्या 09725 के पटरी से उतरने और हादसे में करीब 15 से 20 यात्रियों के घायल होने की काल्पनिक स्थिति तैयार की गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही रेलवे की निर्धारित दुर्घटना राहत एवं आपदा प्रबंधन व्यवस्था सक्रिय कर दी गई और राहत-बचाव के लिए उपलब्ध संसाधनों को तत्काल घटनास्थल की ओर रवाना किया गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद जयपुर से स्वचालित दुर्घटना राहत एवं बचाव ट्रेन को रवाना किया गया। वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। इसके अलावा वाणिज्य, परिचालन, इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं दूरसंचार, विद्युत, चिकित्सा और आरपीएफ सहित रेलवे के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी राहत कार्यों में शामिल हुए। NDRF, SDRF, सिविल डिफेंस, होम गार्ड और फायर विभाग की टीमों ने भी मौके पर पहुंचकर बचाव कार्यों का अभ्यास किया। मॉक ड्रिल के दौरान यह देखा गया कि किसी वास्तविक रेल दुर्घटना की स्थिति में रेलवे और संबंधित आपदा राहत एजेंसियां कितनी तेजी से प्रतिक्रिया करती हैं। राहत एवं बचाव संसाधनों की उपलब्धता, घटनास्थल तक पहुंचने में लगने वाला समय, अधिकारियों और कर्मचारियों की तत्परता तथा विभिन्न विभागों के बीच सूचना एवं समन्वय की व्यवस्था का भी व्यावहारिक परीक्षण किया गया।

बांसवाड़ा में दर्दनाक हादसा: लोहे से लदा ट्रेलर पलटा, बाइक सवार युवक की मौत; साथी गंभीर

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। दाहोद मार्ग पर शनिवार सुबह करीब 9 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की जान चली गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। लोहे के एंगल और पाइपों से भरा तेज रफ्तार ट्रेलर अचानक अनियंत्रित होकर बाइक के ऊपर पलट गया। हादसे में बाइक सवार टामटिया आड़ा निवासी यशपाल डिंडोर ट्रेलर और उसके नीचे दब गया। गंभीर हालत में उसे बांसवाड़ा के MG हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसा सदर थाना क्षेत्र के दाहोद मार्ग पर हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर के अचानक पलटते ही सड़क पर लोहे के भारी एंगल और पाइप फैल गए। इसी दौरान बाइक पर सवार दोनों युवक उसकी चपेट में आ गए। पीछे बैठा विजय पुत्र कचरू लाल कटारा टक्कर के दौरान उछलकर दूर जा गिरा। उसे गंभीर चोटें आईं।

एक्सल टूटने की बात, ड्राइवर ने बताई अलग वजह

सदर थाना अधिकारी रूप सिंह के अनुसार दोनों युवक रोजाना की तरह कोचिंग के लिए जा रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आ रहे ट्रेलर का एक्सल टूट गया और वाहन बेकाबू होकर पलट गया। पुलिस के मुताबिक इसी दौरान बाइक ट्रेलर की चपेट में आ गई। वहीं ट्रेलर चालक प्रवीण, जो डूंगरपुर क्षेत्र के सिसोद का रहने वाला बताया गया है, ने हादसे की वजह चेन टूटना बताई। उसके अनुसार ट्रेलर में भारी मात्रा में माल लदा था। अचानक एक तरफ की चेन टूट गई और वजन अधिक होने के कारण ट्रेलर का संतुलन बिगड़ गया। देखते ही देखते वाहन पलट गया। ड्राइवर ने यह भी बताया कि उसका एक साथी ट्रेलर के भीतर सो रहा था। हादसे में उसे भी चोटें आई हैं।

लोहे के नीचे दबा युवक, शरीर पर आया भारी वजन

ट्रेलर के पलटने के साथ ही लोहे के एंगल और पाइप भी बिखर गए। यशपाल डिंडोर ट्रेलर के नीचे दब गया। भारी वाहन और उसके ऊपर लदे लोहे के सामान के बीच फंसे यशपाल को निकालना चुनौतीपूर्ण हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। वहीं विजय टक्कर के दौरान ट्रेलर से दूर जा गिरा, जिससे वह उसकी चपेट में आने से बच गया, लेकिन उसे गंभीर चोटें आईं। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए उसे उदयपुर रेफर किया गया।

क्रेन से हटाया ट्रेलर, घंटों बाधित रहा मार्ग

हादसे के बाद दाहोद मार्ग पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। सड़क पर ट्रेलर के पलटने के साथ लोहे के एंगल-पाइप फैल जाने से यातायात भी प्रभावित हुआ। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर को हटवाया।

लाल बोट चौराहे पर सड़क रोकने का मामला, 10 नामजद समेत अन्य के खिलाफ केस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र के लाल बोट चौराहा, बेदला पर आम सड़क को अवरुद्ध कर लोगों की आवाजाही में बाधा पहुंचाने के मामले में पुलिस ने 10 नामजद लोगों समेत अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई BNS की धारा 285 के तहत की है। पुलिस के अनुसार 11 सितंबर को रात 7:48 बजे प्रकरण दर्ज किया गया। मामले में आरोप है कि आरोपियों ने आम रोड को अवरुद्ध कर दिया, जिससे सड़क से आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस मामले में बंशीलाल प्रजापत, विनोद बावल खटीक, योगेश पुष्करना, हुकम सिंह, गोपाल डांगी, श्याम खटीक, भूपेश प्रजापत, जय शंकर भोई, शंकर सालवी और तुलसीराम जोशी को नामजद किया गया है। इनके अलावा अन्य लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने थानाधिकारी अमर सिंह उप निरीक्षक की ओर से दर्ज रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की है।

बेदला में रास्ता रोककर मारपीट, 8 लोगों पर गंभीर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बेदला क्षेत्र में एक व्यक्ति को रास्ते में रोककर उसके साथ मारपीट करने और गंभीर चोट पहुंचाने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर सुखेर थाने में 8 नामजद आरोपियों के खिलाफ BNS की धारा 126(2), 115(2) और 189(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार 11 सितंबर 2026 शाम करीब 5:30 बजे बेदला क्षेत्र में परिवादी दिनेश डांगी पुत्र नवल राम डांगी, उम्र 41 वर्ष, निवासी भुवाणा, थाना सुखेर, जिला उदयपुर को आरोपियों ने एकराय होकर रोक लिया। इसके बाद उसके साथ मारपीट की गई, जिसमें शरीर पर गंभीर चोटें पहुंचने की बात सामने आई है। मामले में पुलिस ने अभिमन्यु उर्फ बिल्लु खटीक, संजय तंवर, कन्हैयालाल उर्फ किन्नु खटीक, पंकज खटीक, गौरव, राहुल खटीक, दीपक खटीक और अजय खटीक को आरोपी बनाया है। पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर घटना के कारणों और आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

बाइक से गिरने के बाद युवक की मौत, सिरोही ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बेकरिया थाना क्षेत्र में बाइक से गिरने के बाद गंभीर रूप से घायल हुए युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ धारा 281, 106(1) BNS 2023 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस के अनुसार 10 सितंबर शाम करीब 6 बजे नारायण पुत्र रेशमाराम गमेती और उसका भाई उदाराम पुत्र रेशमाराम गमेती, बाइक से देवला निचला चौराहे से बालाजी होटल की ओर जा रहे थे। बाइक उदाराम चला रहा था, जबकि नारायण पीछे बैठा था। बताया गया कि उदाराम ने बाइक तेज गति और गफलत व लापरवाही से चलाई। इसी दौरान बाइक का संतुलन बिगड़ने से पीछे बैठा नारायण सड़क पर गिर गया। हादसे में उसके पेट सहित शरीर के अंदरूनी हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। परिजन उसे तत्काल देवला के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर 11 सितंबर की सुबह नारायण को सिरोही ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मामले में मृतक के पिता रेशमाराम पुत्र धुलाराम गमेती, निवासी पादर उबरा गोगरूद, थाना बेकरिया, जिला उदयपुर की रिपोर्ट पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक हरिसिंह, देवला पुलिस थाना बेकरिया हैं।

जयपुर सेंट्रल जेल में पूर्व विधायक बलजीत यादव की भूख हड़ताल, मोबाइल बरामदगी पर उठाए सवाल

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल में बंद पूर्व विधायक बलजीत यादव ने शनिवार, 12 सितंबर को भूख हड़ताल शुरू कर दी है। जेल प्रशासन ने 9 सितंबर को उनके खिलाफ मोबाइल रखने के आरोप में एफआईआर दर्ज की थी। इस कार्रवाई को लेकर यादव ने सरकार पर दबाव में झूठा केस दर्ज कराने का आरोप लगाया है। तसींग (कोटपूतली-बहरोड़) के निवर्तमान सरपंच प्रतिनिधि संदीप यादव ने बताया कि उन्होंने 11 सितंबर को जेल में बलजीत यादव से करीब 20 मिनट मुलाकात की। बातचीत के दौरान पूर्व विधायक ने कहा कि जिस बैरक में वे रहते हैं, वहां कोई तलाशी नहीं हुई थी। उन्होंने मोबाइल बरामदगी की बात को सिरे से नकारते हुए इसे राजनीतिक षडयंत्र बताया।

पत्र लिखकर जांच की मांग

बलजीत यादव ने संदीप के जरिए पुलिस महानिदेशक (DGP) को पत्र भेजा है। इसमें उन्होंने जेल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जांचने की मांग की है। उनका कहना है कि फुटेज से साफ हो जाएगा कि उनके पास से मोबाइल मिलने का दावा सही है या नहीं। उन्होंने जेल महानिदेशक को भी पत्र लिखकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। बलजीत यादव 3 फरवरी से जेल में हैं। उन पर विधायक निधि (MLA Fund) के दुरुपयोग का आरोप है और प्रवर्तन निदेशालय (ED) इस मामले की जांच कर रहा है। पूर्व विधायक का कहना है कि सरकार के दबाव में द्वेषपूर्ण तरीके से उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी विरोध में उन्होंने भूख हड़ताल का रास्ता चुना है।

मंदसौर में दर्दनाक हादसा: चेहरे में आर-पार घुसा सरिया, गंभीर हालत में रतलाम रेफर

24 न्यूज अपडेट

मंदसौर। जिले के गरोठ क्षेत्र में शुक्रवार रात एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। ढाबे पर काम करने के बाद घर लौट रहे 50 वर्षीय परमानंद कथिरिया निर्माणाधीन पुलिया के पास लगे बैरिकेड के साथ नीचे गिर गए। हादसे में करीब साढ़े तीन फीट लंबा लोहे का सरिया उनकी आंख के पास से चेहरे में घुसकर कान के पीछे से बाहर निकल गया। परमानंद रात करीब 10 बजे बस से सीतामऊ पहुंचे और पैदल घर जा रहे थे। पुलिया के पास बैरिकेड लगा था। जैसे ही उन्होंने सहारा लिया, बैरिकेड सहित नीचे गिर पड़े और वहां पड़ा सरिया उनके चेहरे में आर-पार हो गया। हादसा घर से महज आधा किलोमीटर पहले हुआ।

लोग हैरान, एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया

चेहरे में सरिया फंसा देख मौके पर पहुंचे लोग स्तब्ध रह गए। किसी तरह उन्हें बाहर निकाला गया और 108 एंबुलेंस से सीतामऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देखते हुए उन्हें मंदसौर जिला अस्पताल रेफर किया गया। मंदसौर जिला अस्पताल में ड्यूटी डॉक्टरों ने सरिया निकालने की कोशिश तक नहीं की। सर्जिकल स्पेशलिस्ट डॉक्टर प्रीति मानावत की टीम ने करीब डेढ़ घंटे तक बाहरी उपचार किया और फिर मरीज को रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, सरिया आंख के पास से घुसकर चेहरे के अंदरूनी हिस्सों को नुकसान पहुंचाते हुए कान के पीछे से बाहर निकला था। वहां 5 से 6 इंच लंबा गहरा घाव हो गया।

बेटे ने बताया— घर से आधा किमी पहले हादसा

परमानंद के बेटे प्रवीण ने बताया कि पिता गरोठ में मामा के ढाबे पर काम करते हैं। शुक्रवार रात वे बस से सीतामऊ पहुंचे और पैदल घर लौट रहे थे। पुलिया के पास बैरिकेड का सहारा लेते ही वे गिर गए और सरिया चेहरे में घुस गया। मंदसौर जिला अस्पताल में इलाज के बाद रात करीब 1 बजे परमानंद को रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। रवाना करते समय भी उनके चेहरे में सरिया फंसा हुआ था। फिलहाल उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

ओगणा में मोबाइल दुकान की नकबजनी का खुलासा, 2 आरोपी गिरफ्तार, चोरी के मोबाइल-नकदी और बाइक बरामद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। ओगणा थाना पुलिस ने पडावली कला में मोबाइल दुकान में हुई बड़ी नकबजनी का खुलासा करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने दुकान की पिछली दीवार में छेद कर अंदर प्रवेश किया था और गल्ले में रखी नकदी के साथ बड़ी संख्या में मोबाइल और अन्य सामान चोरी कर लिया था। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल के साथ चोरी का मोबाइल और नकदी भी बरामद की है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस के अनुसार पडावली खुर्द निवासी भैरूलाल पुत्र नवलराम कुम्हार ने 5 सितंबर 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी ने बताया कि 4 और 5 सितंबर की दरमियानी रात अज्ञात बदमाशों ने पडावली कला स्थित उसकी मोबाइल दुकान को निशाना बनाया। बदमाशों ने दुकान की पिछली दीवार में लोहे के नुकीले हथियार से छेद किया और अंदर घुसकर गल्ले से 17,000 रुपये नकद, करीब 22 कीपैड मोबाइल, रिपेयरिंग के लिए आए 55 स्मार्टफोन, 50 चार्जर, 200 मोबाइल टफन ग्लास सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। रिपोर्ट के आधार पर ओगणा थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305(1) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। वारदात को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण, मुखबिर तंत्र और आसूचना संकलन के जरिए संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पुलिस वारदात में शामिल आरोपियों तक पहुंची और 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनसाराम उर्फ मनीष पुत्र शांताराम, उम्र 23 वर्ष, निवासी डेडकिया, ओगणा, उदयपुर तथा सुरेश पुत्र रामाराम, उम्र 19 वर्ष, निवासी बड़ा मगरा घाटा, बेकरिया, उदयपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें पुलिस कस्टडी रिमांड पर लिया गया है।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल तथा चोरी किया गया मोबाइल और नकदी बरामद की गई है। चोरी किए गए अन्य मोबाइल और सामान की बरामदगी के साथ वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान जारी है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक उदयपुर डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खैरवाड़ा रजत बिश्नोई और वृत्ताधिकारी वृत्त झाडोल विवेक सिंह के सुपरविजन में ओगणा थानाधिकारी रामरूप मीणा के नेतृत्व में गठित टीम ने की।

कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी रामरूप मीणा, सहायक उपनिरीक्षक किशन सिंह, हेड कांस्टेबल गोपाल, कांस्टेबल मांगीलाल, कांस्टेबल रामधन मीणा, कांस्टेबल मुरलीधर तथा साइबर सेल उदयपुर के कांस्टेबल लोकेश रायकवाल शामिल रहे।

ऋषभदेव में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। ऋषभदेव थाना क्षेत्र के गरनाला गांव में एक युवक द्वारा आम के पेड़ की डाली से फंदा लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में मर्ग संख्या 17/2026 दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 11 सितंबर सुबह करीब 7 बजे गरनाला गांव में जितेन्द्र उर्फ जीतु पुत्र रामलाल मीणा, उम्र 27 वर्ष, निवासी हंगा ने घर के पास स्थित बुजड़ा में आम के पेड़ की डाली से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मृतक के पिता रामलाल मीणा निवासी हंगा ने रिपोर्ट दी। इसके आधार पर पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 194 के तहत मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भीलवाड़ा में संदिग्ध फायरिंग, 20 वर्षीय युवक घायल

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र के सांगानेर स्थित कीरों का खेड़ा इलाके में शुक्रवार देर रात फायरिंग की घटना सामने आई है। घटना में 20 वर्षीय युवक लखन कीर घायल हो गया। उसके हाथ और बांह पर छर्रे लगने के निशान मिले हैं। फिलहाल उसे महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। सुभाष नगर थानाधिकारी कैलाशचंद्र विश्नोई ने बताया कि मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस यह जांच कर रही है कि वास्तव में फायरिंग हुई या किसी अन्य कारण से युवक घायल हुआ। यदि गोली चली है तो यह पता लगाया जा रहा है कि किसने और किन परिस्थितियों में फायरिंग की।

तीन युवकों के खिलाफ रिपोर्ट

घटना के बाद पीड़ित परिजनों ने सोनू, नानूराम और गोपाल नामक तीन युवकों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दी है। पुलिस ने मौके से जानकारी जुटाकर निष्पक्ष जांच शुरू कर दी है। घायल लखन कीर ने बताया कि वह अपने पिता की गाड़ी लेने तस्वारिया रोड गया था। वहां कुछ युवक शराब पी रहे थे। उसी दौरान उन्होंने गोली चला दी। लखन ने आरोप लगाया कि इन युवकों की उसके पिता से पहले भी बहस हो चुकी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि घटना फायरिंग की थी या किसी अन्य कारण से चोट लगी।

महिलाओं व बुजुर्गों में भी बढ़-चढ़ कर निभाई लोकतंत्र के उत्सव में सहभागिता

उदयपुर जिले में द्वितीय चरण में 70.39 प्रतिशत मतदान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 सितम्बर। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत उदयपुर जिले में द्वितीय चरण के तहत मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जिले के उदयपुर नगर निगम, कानोड़ नगर पालिका और मावली नगर पालिका के कुल 120 वार्डों के लिए हुए मतदान में कुल 4,33,736 मतदाताओं में से 3,05,326 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार जिले में कुल मतदान प्रतिशत 70.39 प्रतिशत रहा। मतदान प्रतिशत की दृष्टि से मावली नगर पालिका सबसे आगे रही। यहां 8,198 मतदाताओं में से 7,246 ने मतदान किया और मतदान प्रतिशत 88.39 प्रतिशत रहा। कानोड़ नगर पालिका में 9,395 मतदाताओं में से 7,756 ने मतदान किया, जिससे मतदान प्रतिशत 82.55 प्रतिशत रहा। वहीं उदयपुर नगर निगम में 4,16,143 मतदाताओं में से 2,90,324 ने मतदान किया और मतदान प्रतिशत 69.77 प्रतिशत दर्ज हुआ।

महिलाओं की भागीदारी भी रही उल्लेखनीय

जिले में कुल 2,17,937 पुरुष और 2,15,782 महिला मतदाता तथा 17 ट्रांसजेण्डर मतदाता थे। इनमें से 1,58,193 पुरुष, 1,47,125 महिला और 8 ट्रांसजेण्डर मतदाताओं ने मतदान किया। पुरुषों का मतदान प्रतिशत 72.59 प्रतिशत, महिलाओं का 68.18 प्रतिशत और ट्रांसजेण्डर मतदाताओं का 47.06 प्रतिशत रहा। नगर निकायवार आंकड़ों में उदयपुर नगर निगम में पुरुष मतदान प्रतिशत 72.05, महिला 67.46 और ट्रांसजेण्डर 42.86 प्रतिशत रहा। कानोड़ में पुरुष 81.88, महिला 83.25 प्रतिशत तथा मावली में पुरुष 88.99, महिला 87.79 और ट्रांसजेण्डर 67 प्रतिशत मतदान रहा। आयु वर्गवार मतदान में 26 से 35 वर्ष के मतदाता सबसे आगे रहे। इस आयु वर्ग के 73.18 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में 71.82 प्रतिशत तथा 18 से 25 वर्ष के युवा मतदाताओं में 71.07 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। 36 से 59 वर्ष आयु वर्ग में मतदान प्रतिशत 68.15 रहा। जिले में आयु वर्गवार कुल आंकड़ों के अनुसार 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग में 55,429 मतदाताओं में से 39,396, 26 से 35 वर्ष में 98,251 में से 71,904, 36 से 59 वर्ष में 1,93,647 में से 1,31,975 तथा 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में 86,392 में से 62,043 मतदाताओं ने मतदान किया।

दिव्यांग मतदाताओं ने भी निभाया दायित्व

दिव्यांग मतदाताओं ने भी लोकतंत्र के पर्व में सक्रिय भागीदारी निभाई। जिले के तीनों नगरीय निकायों में 351 दृष्टिबाधित मतदाताओं ने मतदान किया। इनमें 117 मतदाताओं ने सहयोगी की मदद से तथा 234 मतदाताओं ने बिना सहयोगी के मतदान किया। वहीं 578 चलने-फिरने में असमर्थ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें 319 मतदाताओं ने सहयोगी की मदद से तथा 259 मतदाताओं ने बिना सहयोगी के मतदान किया।

नगर निगम चुनाव के बाद उदयपुर कांग्रेस में कलह के सुर, बैठक से बाहर किए जाने पर कार्यकर्ता का हंगामा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगर निगम चुनाव के बाद बोर्ड गठन को लेकर कांग्रेस के भीतर बैठकों और रणनीति का दौर शुरू हो गया है, लेकिन इसी बीच पार्टी की अंदरूनी खींचतान भी सामने आने लगी है। शनिवार को सेक्टर 6 स्थित एक निजी होटल में कांग्रेस प्रत्याशियों की बैठक के दौरान कार्यकर्ता घनश्याम मेनारिया को बाहर किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया। बैठक से बाहर निकलने के बाद मेनारिया ने होटल के नीचे ही विरोध जताते हुए हंगामा किया। मेनारिया का कहना था कि उन्हें बैठक से बाहर निकालकर कार्यकर्ता के रूप में उनका अपमान किया गया है। आक्रोशित मेनारिया ने पार्टी के सामने सवाल खड़ा करते हुए कहा कि जब अपने ही कार्यकर्ताओं के साथ इस तरह का व्यवहार होगा तो कांग्रेस नगर निगम में अपना बोर्ड बनाने के लिए सभी को एकजुट कैसे रख पाएगी। घटना के दौरान होटल के बाहर कुछ देर के लिए माहौल गरमा गया। वहां मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मेनारिया को समझाने का प्रयास किया और उन्हें शांत कराया। हालांकि, बैठक के दौरान सामने आए इस विवाद ने चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस के भीतर चल रहे असंतोष और आपसी समन्वय पर चर्चा को हवा दे दी।

बोर्ड गठन से पहले अहम मानी जा रही बैठक नगर निगम चुनाव के बाद कांग्रेस के लिए बोर्ड गठन की कवायद महत्वपूर्ण है। इसी सिलसिले में पार्टी के प्रत्याशियों की बैठक बुलाई गई थी। बैठक में चुनाव के बाद की रणनीति और आगे की राजनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की जा रही थी। ऐसे समय में एक कार्यकर्ता के बैठक से बाहर किए जाने और इसके बाद होटल के बाहर विरोध करने की घटना पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा करने वाली रही। हालांकि, बैठक से बाहर किए जाने के कारणों को लेकर पार्टी की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद यह मामला राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है।

मतगणना में लापरवाही की गुंजाइश नहीं, पूरी सतर्कता से निभाएं जिम्मेदारी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 12 सितंबर। नगरीय निकाय चुनाव-2026 की मतगणना को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने की तैयारियों के तहत शनिवार को सुखाड़िया रंगमंच सभागार में मतगणना कार्मिकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न नगर निकायों से जुड़े रिटर्निंग अधिकारियों और गणना कार्मिकों को मतगणना की पूरी प्रक्रिया, जिम्मेदारियों और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण में कार्मिकों को मतगणना के प्रत्येक चरण में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने तथा पूरी गंभीरता और सतर्कता के साथ दायित्व निभाने के निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण के दौरान एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा, प्रशिक्षण प्रकोष्ठ प्रभारी कीर्ति राठौड़ और सह प्रभारी डॉ. महामाया प्रसाद चौबीसा सहित संबंधित अधिकारियों ने मतगणना कार्मिकों को उनके दायित्वों के बारे में विस्तार से समझाया। कार्मिकों को निर्वाचन आयोग द्वारा तय नियमों एवं प्रक्रियाओं के अनुरूप मतगणना कार्य करने, प्रत्येक चरण में सावधानी बरतने और किसी भी स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया से विचलित नहीं होने का मार्गदर्शन दिया गया।

हर चरण में नियमों का पालन जरूरी

अधिकारियों ने कहा कि मतगणना निर्वाचन प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण चरण है और इसमें प्रत्येक कार्मिक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। मतगणना के दौरान निष्पक्षता, पारदर्शिता और निर्वाचन की शुचिता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। इसके लिए आयोग के निर्देशों और निर्धारित प्रक्रियाओं का अक्षरशः पालन किया जाना आवश्यक है।

अंतिम संस्कार के बीच मधुमक्खियों का हमला, श्मशान घाट में मची भगदड़; 20 से ज्यादा घायल

24 न्यूज अपडेट

अजमेर। श्रीनगर थाना क्षेत्र के फारकियां गांव में शनिवार सुबह अंतिम संस्कार के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब श्मशान घाट में मौजूद मधुमक्खियों के छत्ते से अचानक झुंड निकल आया और वहां मौजूद ग्रामीणों पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के डंक से बचने के लिए लोग जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। घटना में 20 से ज्यादा लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। जानकारी के अनुसार गांव में बीजा सिंह के निधन के बाद शनिवार सुबह करीब 10 बजे ग्रामीण अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट पहुंचे थे। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया चल रही थी, इसी दौरान वहां लगे मधुमक्खियों के छत्ते से अचानक बड़ी संख्या में मधुमक्खियां निकल आईं। देखते ही देखते उन्होंने मौके पर मौजूद लोगों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। अचानक हुए हमले से श्मशान घाट में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और लोग मधुमक्खियों से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। मधुमक्खियों के हमले में 20 से अधिक ग्रामीणों के घायल होने की बात सामने आई है। मौके पर मौजूद गोरधन सिंह रावत के अनुसार घायलों को तत्काल उपचार के लिए 108 एंबुलेंस के साथ गोशाला की एंबुलेंस की मदद से अजमेर के जेएलएन अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचने के बाद चिकित्सकों की टीम ने घायलों का उपचार शुरू किया। प्राथमिक उपचार के बाद कई घायलों की हालत में सुधार बताया जा रहा है। हमले में महेंद्र सिंह और ओमप्रकाश की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। बताया गया कि ओमप्रकाश के कान के अंदर तक मधुमक्खी घुस गई, जिसके चलते उसकी हालत को लेकर विशेष सावधानी बरती जा रही है। वहीं रतन सिंह रावत का भी जेएलएन अस्पताल में उपचार जारी है। अंतिम संस्कार के दौरान अचानक हुए मधुमक्खियों के हमले से गांव में कुछ देर के लिए भय और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बाद में घायलों को अस्पताल पहुंचाए जाने के बाद स्थिति संभली।

वोटर लिस्ट से नाम हटे, फिर भी पड़े 110 वोट; जयपुर के बूथ पर कल होगा पुनर्मतदान

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 12 सितंबर। जयपुर नगर निगम चुनाव में मतदान प्रक्रिया को लेकर गंभीर मामला सामने आया है। सांगानेर क्षेत्र के वार्ड 62 स्थित एक मतदान केंद्र पर 110 ऐसे मतदाताओं के वोट डाले गए, जिनके नाम वोटर लिस्ट से डिलीट हो चुके थे। मामले की पुष्टि के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने संबंधित बूथ पर दोबारा मतदान कराने का निर्णय लिया है। यह मामला टीलालावा उच्च प्राथमिक स्कूल के कमरा नंबर 4 स्थित मतदान केंद्र का है। इस बूथ की भाग संख्या 23 है। यहां नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के बावजूद 110 लोगों के वोट डाले जाने की जानकारी सामने आने के बाद निर्वाचन आयोग ने पूरे मतदान को दोबारा कराने का फैसला किया।

13 सितंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक वोटिंग

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्णय के अनुसार इस मतदान केंद्र पर 13 सितंबर को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक Fresh Poll यानी पुनर्मतदान कराया जाएगा। पुनर्मतदान के फैसले के बाद अब संबंधित बूथ पर निर्वाचन प्रक्रिया नए सिरे से कराई जाएगी। मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि मतदाता सूची में नाम नहीं होने के बावजूद 110 मतदाताओं के वोट डाले जाने की पुष्टि हुई है।

चुनाव प्रक्रिया की निगरानी पर उठे सवाल

एक ही मतदान केंद्र पर इतनी बड़ी संख्या में डिलीट किए जा चुके नामों के बावजूद मतदान हो जाना निर्वाचन प्रक्रिया की जांच और निगरानी को लेकर सवाल खड़े करता है। हालांकि आयोग के स्तर से पुनर्मतदान का निर्णय लिया जा चुका है, लेकिन यह भी अहम रहेगा कि मतदाता सूची से नाम हटने के बावजूद इन मतदाताओं को मतदान की अनुमति किस प्रक्रिया के तहत मिली और इसके लिए जिम्मेदारी किसकी तय होती है।

देवझूलनी एकादशी मेले से पहले देसूरी नाल घाटे में भारी वाहनों पर रोक, 12 से 25 सितंबर तक बदला मार्ग

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। चारभुजा में 22 सितंबर को प्रस्तावित देवझूलनी एकादशी मेले और रामदेवरा जाने वाले श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। भीड़ के दौरान यातायात सुचारू रखने और दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने के लिए देसूरी नाल घाट सेक्शन में भारी वाहनों की आवाजाही पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अरुण कुमार हसीजा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक 12 सितंबर सुबह 5 बजे से 25 सितंबर रात 10 बजे तक देसूरी, जिला पाली की तरफ से आने वाले तथा राजसमंद से देसूरी की ओर जाने वाले सभी भारी वाहनों का ग्राम रूपनगर से गोमती चौराहा तक देसूरी नाल घाट सेक्शन में आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंधित अवधि में भारी वाहनों को निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से उनके गंतव्य तक जाना होगा। प्रशासन का मानना है कि देवझूलनी एकादशी मेले के दौरान चारभुजा में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के साथ रामदेवरा जाने वाले यात्रियों की आवाजाही भी बढ़ेगी। ऐसे में घाट क्षेत्र में भारी वाहनों का संचालन यातायात दबाव बढ़ाने के साथ दुर्घटना का खतरा पैदा कर सकता है। प्रशासन के अनुसार इस मार्ग पर पूर्व में भी गंभीर सड़क हादसे हो चुके हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए मेले से पहले ही भारी वाहनों के लिए मार्ग परिवर्तन लागू किया गया है, ताकि श्रद्धालुओं और आम यात्रियों की आवाजाही को सुरक्षित एवं सुचारू रखा जा सके।

युवा कांग्रेस चुनाव में बड़ा उलटफेर: वैध से ज्यादा वोट खारिज, 5.13 लाख वोट पर फैसला बाकी

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव में वोटों की जांच के बाद सामने आए आंकड़ों ने पूरी चुनावी प्रक्रिया को दिलचस्प मोड़ पर ला दिया है। अध्यक्ष सहित विभिन्न पदों के लिए हुए चुनाव में कुल 32 लाख 64 हजार 980 वोट डाले गए थे, लेकिन जांच के बाद इनमें से 13 लाख 84 हजार 739 वोट खारिज कर दिए गए हैं। वहीं 13 लाख 66 हजार 458 वोट ही वैध पाए गए हैं, जबकि 5 लाख 13 हजार 783 वोटों को जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने के कारण फिलहाल होल्ड पर रखा गया है। शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में युवा कांग्रेस के चुनाव आयुक्त सज्जाद तारिक ने चुनाव से जुड़े इन आंकड़ों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन वोटों को दस्तावेजों के अभाव में होल्ड किया गया है, उन्हें दुरुस्त कराने के लिए प्रत्याशियों को एक और अवसर दिया गया है। इसके लिए 13 सितंबर से 19 सितंबर तक का समय निर्धारित किया गया है। प्रत्याशी युवा कांग्रेस के डिजिटल ऐप के माध्यम से आवश्यक और वैध दस्तावेज जमा करा सकेंगे। दस्तावेजों की जांच के बाद यदि संबंधित वोट निर्धारित मानकों पर सही पाए जाते हैं तो उन्हें मान्यता दी जाएगी। यानी अभी चुनाव का अंतिम गणित पूरी तरह साफ नहीं हुआ है और होल्ड किए गए वोटों की जांच के बाद तस्वीर में बदलाव संभव है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।